गलातियां नै कागद

1 1पौलुस कांनी सूं, जकौ अेक प्रेरित है। वौ अेक अैड़ौ वरत धारण कर्‌यौ है, जकौ उणनै ना तौ मिनखां सूं मिळ्‌यौ है अर ना किणी अेक मिनख उणनै दियौ है। औ तौ यीशु मसीह कांनी सूं उण परम पिता परमेसर सूं दिरीज्‌यौ है जकौ यीशु मसीह नै मर्‌योड़ां मांय सूं पाछौ जींवतौ कर दियौ हौ। 2अर म्हारै सागै जका भाई है, वां सगळां कांनी सूं गलातिया [a] खेत्र री कलीसिया रै नांव:

3म्हांरै परम पिता परमेसर अर प्रभु यीशु मसीह कांनी सूं थांनै मेहर अर सांति मिळै। 4जकौ म्हांरै पापां सारू अपणै आपनै समरपित कर दियौ जिणसूं कै इण पापी संसार सूं, जिणमें म्हे रैय रैया हां, वौ म्हांने छुटकारौ दिराय सकै। म्हांरै परम पिता री आ इज इंच्छा है। 5वौ सदां-सदां सारू महिमामान होवै, आमीन!

साचौ सुभसंदेस अेक इज है

6म्हनै अचरज है कै थे लोग इत्तौ बेगौ उण परमेसर सूं मूंडौ फोर'र, जकौ मसीह री किरपा सूं थांनै बुलाया हा, किणी दूजै सुभसंदेस कांनी जाय रैया हौ। 7असल बात तौ आ है कै कोई दूजौ सुभसंदेस है इज कोनी। पण कीं लोग अैड़ा है जका थांनै भरमाय रैया है अर मसीह रै सुभसंदेस में हेर-फेर रौ जतन कर रैया है। 8पण चायै म्हे होवां कै भलांई कोई सुरगदूत, जे थांनै म्हांरै कांनी सूं सुणाईज्‌यै सुभसंदेस सूं अलायदौ कोई सुभसंदेस सुणावै तौ उणनै धिक्कार है। 9जियां कै म्हे पैलां ई कैय चुक्या हां, वौ इज म्हैं अेकर फेरूं दुसराऊं हूं कै चायै म्हे होवौ अर चायै कोई सुरगदूत, जे थांरै सांभळ्‌योड़ै सुभसंदेस सूं दूजौ कोई सुभसंदेस सुणावै है तौ उणनै धिक्कार है।

10कांई इणसूं थांनै औ लखावै है कै म्हैं मिनखां रौ समरथन चाऊं हूं? कै पछै म्हैं औ चाऊं हूं कै म्हनै परमेसर रौ समरथन मिळै? तौ पछै कांई म्हैं मिनखां नै राजी करण री आफळ करूं हूं? जे म्हैं मिनखां नै राजी करतौ तौ म्हैं मसीह रौ सेवक सरीखौ नीं होवतौ।

पौलुस रौ सुभसंदेस परमेसर सूं मिळ्‌योड़ौ

11हे भायां, म्हैं थांनै जतावणौ चाऊं हूं कै वौ सुभसंदेस जिणरौ उपदेस थांनै म्हैं दियौ हूं, 12कोई मिनख सूं हासल सुभसंदेस नीं है, क्यूंकै ना तौ म्हैं औ किणी मिनख सूं हासल कर्‌यौ है अर ना कोई मिनख म्हनै इणरी सीख दीनी है। बल्कै दैवी संदेस रै रूप में औ मसीह रै भेज्‌योड़ौ म्हारै सांम्ही प्रगट होयौ है।

13यहूदी धरम मांय म्हैं पैली किण भांत जींवतौ हौ, वौ थे सुण ई लियौ अर थे औ ई जाणौ हौ कै म्हैं परमेसर री कलीसिया माथै कित्तौ अत्याचार कर्‌यौ है अर उणनै उजाड़ण रौ जतन पण कर्‌यौ है। 14यहूदी धरम मानण मांय म्हैं म्हारै जुग रा समकालीण यहूदियां सूं आगै हौ क्यूंकै म्हारा बडेरां सूं जकी परम्परावां म्हनै मिळी ही, वां मांय म्हारी उछाव भरी आस्था ही।

15पण परमेसर तौ म्हारै जलम सूं पैलां ई म्हनै टाळ लियौ हौ अर आपरी किरपा में म्हनै बुलाय लियौ हौ, 16इण वास्तै कै वौ म्हनै पूत रौ ग्यान कराय देवै अर म्हैं गैर यहूदियां रै बिचाळै उणरै सुभसंदेस रौ प्रचार करूं। उण बगत तौ म्हैं किणी मिनख सूं कोई राय नीं ली। 17अर ना ई म्हैं वां लोगां रै कनै यरूशलेम गियौ जका म्हासूं पैलां प्रेरित बणिया हा। म्हैं तौ अरब कांनी गियौ अर पछै बठै सूं दमिश्क आयग्यौ।

18फेर तीन बरसां पछै पतरस सूं मिळण सारू म्हैं यरूशलेम पूग्यौ अर उणरै सागै अेक पखवाड़ै तांई ठैर्‌यौ। 19पण बठै म्हैं प्रभु रै भाई याकूब रै टाळ दूजै किणी प्रेरित सूं नीं मिळ्‌यौ। 20म्हैं परमेसर रै सांम्ही सौगन खाय'र कैऊं हूं कै जकौ कीं म्हैं लिख रैयौ हूं उणमें कूड़ रौ नांव नीं है। 21उणरै पछै म्हैं सीरिया अर किलिकिया रा प्रदेसां में गियौ।

22पण यहूदिया रै मसीह नै मानण वाळा कलीसिया निजू रूप सूं म्हनै ओळखता नीं हा। 23पण वै लोगां

---

[a] *1:2* **गलातिया** स्यात औ वौ इज खेत्र होवैला जठै आपरी पैली धारमिक सेवा-जात्रा रै टाणै पौलुस उपदेस दियौ हौ अर कलीसिया री थापना करी ही। देखौ—प्रेरितां रा काम 13 अर 14

नै कैवता सुणता, "वौ इज आदमी जकौ पैली म्हांनै अदावतौ हौ, अबै उणी विस्वास मतळब कै उणी मत रौ झंडौ लियां फिरै है, जिणनै पैलां वौ खतम करण री आफळां करी ही।" 24म्हारै कारण वां परमेसर री स्तुति करी।

पौलुस नै प्रेरितां री मान्यता

2 1चवदै साल पछै म्हैं पाछौ यरूशलेम गियौ। बरनाबास म्हारै सागै हौ अर तितुस नै ई म्हैं सागै लेय लियौ हौ। 2म्हैं परमेसर रा दिव्य दरसणां सारू बठै गियौ हौ। म्हैं गैर यहूदियां रै बिचाळै जिण सुभसंदेस रौ उपदेस दिया करूं हूं, वौ इज सुभसंदेस म्हैं अेक निजू सभा बिचाळै कलीसिया रै मुखियावां नै सुणायौ। म्हैं बठै इण वास्तै गियौ हौ कै परमेसर म्हनै दरसायौ हौ कै म्हैं बठै जावणौ चाईजै। जिणसूं कै जकौ काम म्हैं लारलै दिनां कर्‌यौ हौ, या जिणनै म्हैं कर रैयौ हूं, वौ अकारथ नीं जावै परौ।

3फळसरूप तितुत तक नै, जकौ म्हारै सागै हौ, हालांकै वौ यूनानी है, फेरूं ई उणनै खतना करावण सारू मजबूर नीं करीजियौ। 4पण वां झूठा बंधुवां रै कारण आ बात उठी, जका ओलै-छानै म्हांरै बिचाळै भेदू बणियोड़ा यीशु मसीह मांय म्हांरी सुतंतरता रौ पतौ लगावण सारू इण वास्तै घुसग्या हा कै म्हांनै दास बणाय सकै। 5पण म्हे वांरी ताबेदारी मांय गोडा नीं टेकिया, इण वास्तै कै वौ साचौ सुभसंदेस थांरै मांय बण्यौ रैवै।

6पण चावा-ठावा बाजण वाळा लोगां सूं म्हांनै कीं नीं मिळ्यौ। (वै कैड़ा ई व्हौ, म्हारै कीं फरक नीं पड़ै। बिना किणी भेदभाव रै सगळा मिनख परमेसर आगळ अेक जैड़ा है।) वां मौजीज लोगां सूं म्हनै कै म्हारै सुभसंदेस नै कोई नफौ नीं व्हियौ। 7पण आं मुखियावां देख्यौ कै परमेसर म्हनै उणी भांत अेक खास काम सूंप्यौ है जिण भांत पतरस नै परमेसर यहूदियां नै सुभसंदेस सुणावण रौ काम सूंप्यौ हौ। पण परमेसर गैर यहूदी लोगां नै सुभसंदेस सुणावण रौ जिम्मौ म्हनै सूंप्यौ। 8परमेसर, पतरस नै अेक प्रेरित रै रूप काम करण री सगती दी ही। पतरस गैर यहूदी लोगां सारू अेक प्रेरित है। परमेसर म्हनै ई अेक प्रेरित रै रूप में काम करण री सगती दी है। पण म्हैं वां लोगां रौ प्रेरित हूं जका यहूदी कोनी। 9इण भांत वां म्हारै माथै परमेसर री उण किरपा नै समझग्या हा अर कलीसिया रा थम्ब मानीजण वाळा याकूब, पतरस अर यूहन्ना बरनाबास अर म्हासूं बेलीपा री बांनगी सरूप हाथ मिळाय लियौ। वै इण बात नै मानली कै म्हे विधरमियां रै बिचाळै उपदेस देवता रैवां अर वै यहूदियां रै बिचाळै। 10वां म्हासूं फगत औ इज कैयौ कै गरीब-गुरबां रौ ध्यान राख्या। अर म्हैं तौ इणी'ज काम नै नीं फगत करणौ चावतौ बल्कै इण सारू हरखबावळौ हौ।

पौलुस री दीठ में पतरस गळत

11पण जद पतरस अन्ताकिया आयौ तौ म्हैं चौड़ै-धाड़ै उणरी खिलाफत करी, क्यूंकै वौ गळत हौ। 12क्यूंकै याकूब री तरफ सूं भेज्योड़ा कीं लोगां रै अठै पूगण सूं पैलां वौ यहूदियां सूं खावतौ-पीवतौ हौ। पण वां लोगां रै आयां पछै वौ गैर यहूदियां सूं आपरौ हाथ खांच लियौ अर खुद वां सूं किनारौ कर लियौ। वौ वां लोगां सूं डरतौ थकौ अैड़ौ कर्‌यौ जका चावता हा कै गैर यहूदियां रौ ई खतनौ होवणौ चाईजै। 13दूजा यहूदियां ई इण दिखावै में उणरौ सागौ दियौ। अठै तांई कै इण दिखावै रै कारण बरनाबासा ई भरमीजग्यौ। 14म्हैं जद औ देख्यौ कै सुभसंदेस में समायोड़ै साच मुजब वै सीधै मारग नीं चाल रैया है तौ सगळां रै सांम्ही पतरस कैयौ, "जद थे यहूदी होय'र ई गैर यहूदी जैड़ौ जीवण जीवौ हौ, तौ पछै गैर यहूदियां नै यहूदियां री रीत माथै चालण सारू मजबूर कियां कर सकौ हौ?"

15म्हे तौ जलमजात यहूदी हां। म्हांरौ पापी गैर यहूदी सूं कीं सगपण कोनी। 16फेरूं ई म्हां औ जाणां हां कै किणी आदमी नै वैवस्था रै विधान री पाळणा करण रै कारण नीं बल्कै यीशु मसीह में विस्वास रै कारण नेक ठैरायौ जावै। म्हां इण वास्तै यीशु मसीह रौ विस्वास धार्‌यौ है कै इण विस्वास रै कारण म्हे नेक बाजां, इण वास्तै नीं कै वैवस्था रै विधान री पाळणा रै कारण। क्यूंकै उणरी पाळणा सूं तौ कोई आदमी धरमी नीं व्है सकै।

17पण जे म्हे लोग ई जका कै यीशु मसीह में आपरी स्थिति रै कारण धरमी ठैराईजणौ चावां हा, म्हे इज विधरमियां रै ज्यूं पापी दीखां, तौ कांई इणरौ अरथ औ नीं है कै मसीह पाप नै बधावौ देवै। पक्कायत नीं। 18जे जिणनै म्हैं छोड-छिटकाय चुक्यौ हूं, उण रीत रौ पाछौ उपदेस देवण लागूं तौ म्हैं आग्या नै

लोपणियौ अपराधी बण जाऊंला। 19क्यूंकै वैवस्था रै
विधान मुजब वैवस्था सारू तौ म्हैं मर चुक्यौ, जिणसूं
कै परमेसर सारू म्हैं पाछौ जी जाऊं, मसीह रै सागै
म्हनै क्रूस माथै चढाय दियौ है। 20इणी सूं अबै आगै
म्हैं जींवतौ नीं हूं पण मसीह म्हारै मांय जींवतौ है।
इण वास्तै इण सरीर मांय अबै म्हैं जिण जीवण नै जी
रैयौ हूं, वौ तौ विस्वास माथै टिक्योड़ौ है। परमेसर रै
उण पूत रै पेटै विस्वास माथै जकौ म्हासूं प्रेम करै अर
जकौ अपणै आपनै म्हारै सारू अरपित कर दियौ। 21म्हैं
परमेसर री किरपा नै नटूं कोनी, पण जे धारमिकता
वैवस्था रै विधान सूं परमेसर सूं नातौ जुड़ाय सकतौ तौ
मसीह फालतू आपरा प्राण क्यूं गमावतौ।

परमेसर रौ वरदान विस्वास सूं मिळै

3 1हे मूरख गलातियां! थां माथै कुण कांमण कर
नांख्यौ? सगळां रै सांम्ही यीशु मसीह नै क्रूस
माथै कियां चढाईज्यौ हौ, थांनै तौ आ बात विगतवार
बताय दीनी ही। 2म्हैं तौ थांसूं फगत इतरौ जाणणी
चाऊं हूं कै थे आतमा रौ वरदान कांई वैवस्था रै विधान
री पाळणा सूं हासल कर्‌यौ हौ, कै सुभसंदेस रै सुणण
अर उण माथै भरोसौ करण सूं? 3कांई थे इत्ता गैला
होय सकौ हौ कै जकै जीवण नै थे आतमा सरू कर्‌यौ,
उणनै अबै हाड़-मांस रै सरीर री सगती सूं पूरौ करोला?
4थे इत्ता फोड़ा कांई फालतू ई देख्या। म्हनै भरोसौ है कै
वै फालतू नीं हा। 5परमेसर थांनै जकी आतमा देवै अर
जकौ थांरै बिचाळै अचरज जोग काम करै, वौ औ सैंग
इण वास्तै इज करै कै थे वैवस्था रै विधान नै पाळौ हौ
या इण वास्तै कै थे सुभसंदेस नै सुण्यौ है अर उण माथै
विस्वास कर्‌यौ है।

6औ बियां इज है जियां कै इब्राहीम रै विसय मांय
शास्त्र कैवै: "वौ परमेसर में विस्वास कर्‌यौ अर आ
उण सारू धारमिकता गिणीजी।" [a] 7तौ फेर थे आ
जाणलौ, इब्राहीम रा साचा वंसज वै इज है जका
विस्वास करै। 8शास्त्र पैलां ई बताय दियौ हौ,
"परमेसर गैर यहूदियां नै ई वांरै विस्वास रै कारण धरमी
ठैरावैला। अर आं सबदां रै सागै पैलां सूं इज इब्राहीम
नै परमेसर कांनी सूं सुभसंदेस बताईजग्यौ हौ।" [b]
9इण वास्तै वै लोग जका विस्वास करै है, विस्वासी
इब्राहीम रै सागै आसीस पावै है।

10पण वै सगळा लोग जका वैवस्था रा विधानां
री पाळणा माथै निरभर रैवै, वै तौ किणी अभिसाप रै
आधीन है। शास्त्र में लिख्योड़ौ है: "अैड़ै हरेक आदमी
नै स्राप मिळ्योड़ौ है जकौ वैवस्था रै विधान री पोथी में
लिख्योड़ी हरेक बात री लगन सूं पाळणा नीं करै।" [c]
11अबै औ साफ है कै वैवस्था रै विधान सूं परमेसर
रै सांम्ही कोई भी नेक नीं ठैरै। क्यूंकै शास्त्र मुजब,
"धरमी आदमी विस्वास रै ताण जीवैला।" [d]

12पण वैवस्था रौ विधान तौ विस्वास माथै कोनी
टिक्योड़ौ बल्कै शास्त्र मुजब, जकौ वैवस्था रै विधान
नै पाळैला, वौ वांरै इज ताण जीवैला। [e] 13मसीह
म्हांरै स्राप नै आपरै ऊपर लेय'र वैवस्था रै विधान रै
स्राप सूं म्हांनै मुगत कर दिया। शास्त्र कैवै: "हरेक वौ
जकौ रूंख माथै टांगीज जावै, स्रापित है।" [f] 14मसीह
म्हांने इण वास्तै मुगत कर्‌या कै इब्राहीम नै दिरीजी
आसीस मसीह यीशु कांनी सूं गैर यहूदियां नै ई मिळ
सकै ताकि विस्वास रै ताण म्हे उण आतमा नै हासल
करां, जिणरौ वचन दिरीज्यौ हौ।

वैवस्था रौ विधान अर वचन

15हे भायां, अबै म्हैं रोजीना रै जीवण सूं अेक दाखलौ
देय रैयौ हूं। देखौ, जियां कोई मिनख किणी बात रौ
वाचौ कर लेवै, उण मांय सूं ना तौ कीं रद्द कर सकै अर
ना ई उण मांय कीं घटायौ-बधायौ जाय सकै। 16ठीक
आ री आ बात इब्राहीम अर उणरै भावी वंसज रै सागै ई
करीजी प्रतिग्या रै बाबत ई है। (देखौ, शास्त्र औ नीं कैवै,
"अर उणरै वंसजां नै" जे अैड़ौ होवतौ तौ मोकळा जणां
कांनी संकेत होवतौ, पण शास्त्र में अेक वचन बरतीज्यौ
है। शास्त्र कैवै है, "अर थारै वंसज नै" जकौ मसीह
है।) 17म्हारै कैवण रौ मतळब औ है कै जिण वचन नै
परमेसर पैलां इज तै कर दियौ उणनै चार सौ तीस बरसां
पछै आवण वाळौ वैवस्था रौ विधान ई बदळ नीं सकै
अर ना ई उणरै वचन नै विलोप्यौ जाय सकै।

---

[a] ***3:6*** उद्धरण उत्पत्ति 15:6
[b] ***3:8*** उद्धरण उत्पत्ति 12:3
[c] ***3:10*** उद्धरण व्यवस्था 27:26
[d] ***3:11*** उद्धरण हबक 2:4
[e] ***3:12*** **जकौ वैवस्था ... जीवैला** देखौ लैव्य व्यवस्था 18:5
[f] ***3:13*** उद्धरण व्यवस्था विवरण 21:23

18क्यूंकै जे उत्तराधिकार, वैवस्था रै विधान माथै
टिक्योड़ौ है तौ पछै वौ वचन माथै नीं टिकैला। पण
परमेसर उत्तराधिकार वचन रै मार्फत खुल्लै मन सूं
इब्राहीम नै दियौ हौ।
19पछै भला वैवस्था रै विधान रौ उद्देस्य कांई रैयौ?
आग्या लोपण रै अपराध रै कारण वैवस्था रै विधान
नै वचन सूं जोड़ीजग्यौ हौ, ताकि जिण खातर वचन
दिरीज्यौ हौ, उण वंसज रै आवण तांई वौ बण्यौ रैवै।
वैवस्था रौ विधान अेक मध्यस्थ रै रूप में मूसा री
सहायता सूं सुरगदूत दियौ हौ। 20अबै देखौ, मध्यस्थ
तौ दो जणां बिचाळै हुवै, पण परमेसर तौ अेक इज है।

मूसा री वैवस्था रै विधान रौ उद्देस्य

21कांई इणरौ अरथ औ है कै वैवस्था रौ विधान परमेसर
रै वचन रौ विरोधी है? पक्कायत नीं। क्यूंकै जे अैड़ी
वैवस्था रौ विधान दिरीजतौ जकी कै लोगां मांय जीवण
रौ संचार कर सकतौ तौ वौ वैवस्था रौ विधान इज
परमेसर रै सांम्ही धारमिकता नै सिद्ध करण रौ साधन
बण जावतौ। 22पण शास्त्र घोसणा करी है कै औ सगळौ
संसार पाप री सगती रै आधीन है। ताकि यीशु मसीह
मांय विस्वास रै आधार माथै जकौ वचन दिरीज्यौ है, वौ
विस्वास करणिया सगळां लोगां नै मिळै।
23इण विस्वास रै आवण सूं पैलां, म्हांनै वैवस्था
रै विधान री सार-संभाळ मांय, इण आवण वाळै
विस्वास रै प्रगट होवण लग, बंदी रै रूप राखीज्या।
24इण भांत वैवस्था रौ विधान म्हांने मसीह तांई
ले जावण सारू अेक कठोर अभिभावक हौ ताकि
खुद रै विस्वास रै पाण म्हे नेक बाजां। 25अबै जद
औ विस्वास प्रगट व्है चुक्यौ है तौ म्हे उण करड़ै
अभिभावक रै आधीन कोनी।
26यीशु मसीह माथै भरोसै रै कारण थे सगळा
परमेसर री संतान हौ। 27क्यूंकै थे सगळा, जका कै
मसीह रौ बपतिस्मौ लेय लियौ हौ, मसीह में समायग्या
हौ। 28इण वास्तै अबै किणमें ई कोई फरक नीं रैयौ।
न तौ कोई यहूदी रैयौ अर ना कोई गैर यहूदी। ना दास
रैयौ, ना आजाद। ना मिनख रैयौ, ना लुगाई, क्यूंकै
मसीह यीशु मांय थे सगळा अेक हौ। 29अर क्यूंकै थे
मसीह रा हौ, तौ पछै थे इब्राहीम रा वंसज हौ, अर
परमेसर जकौ वचन इब्राहीम नै दियौ हौ, उण वचन रा
उत्तराधिकारी हौ।

4 1म्हैं कैऊं हूं कै उत्तराधिकारी जद तांई टाबर है
तौ भलांई स्सौ-कीं मालक वौ इज होवै, फेरूं
ई वौ दास सूं बेसी कीं नीं रैवै। 2वौ आपरै माईतां अर
घर रा सेवकां रै तद तांई आधीन रैवै, जद तांई कै उणरै
पिता कांनी सूं पक्कौ समै नीं आय जावै। 3म्हांरी ई आ
इज गत है। म्हे ई टाबर हा जित्तै सांसारिक नेमां रा दास
हा। 4पण जद आछौ अवसर आयौ तौ परमेसर आपरै
पूत नै भेज्यौ जकौ अेक लुगाई री कूख सूं जलम्यौ हौ
अर वैवस्था रै आधीन जींवतौ हौ। 5ताकि वौ वैवस्था
रै आधीन आदम्यां नै मुगत कर सकै, जिण सूं आपां
परमेसर री गोदी सारू टाबर बण सकां।
6अर पछै क्यूंकै थे परमेसर रा पूत हौ, सो वौ थांरै
हियां मांय पूत री आतमा नै भेजी। वा इज आतमा "हे
अब्बा, हे पिता" कैवती थकी हेला मारै। 7इण वास्तै
अबै थूं दास नीं है बल्कै पूत है अर क्यूंकै थूं पूत है, इण
वास्तै थनै परमेसर रौ उत्तराधिकारी भी बणाईज्यौ है।

गलाती मसीहां सारू पौलुस रौ प्रेम

8पैलां थे लोग जद परमेसर नै जाणता कोनी हा तौ
थे लोग देवतावां रा दास हा। वै साच्याणी परमेसर नीं
हा। 9पण अबै थे परमेसर नै ओळखौ हौ, कै यूं कैवणौ
चाईजै कै परमेसर अबै थांनै पिछाण लिया है, तौ पछै
थे वां बिरथा अर निबळा नेमां कांनी क्यूं बावड़ रैया
हौ। थे फेरूं उणरै आधीन क्यूं होवणा चावौ हौ? 10थे
किणी खास दिनां, महीनां, रितुवां अर बरसां नै मानण
लागग्या हौ। 11थांरै सारू म्हनै इण बात रौ डर है कै थांरै
सारू जकौ काम म्हैं कर्‌यौ, वौ सगळौ कठैई अकारथ
तौ नीं गियौ परौ।
12हे भायां, म्हारै जिसा बणण री मेहर करौ। देखौ,
म्हैं ई तौ थांरै जिसौ बणग्यौ हूं, आ म्हारी प्रार्थना है,
अैड़ौ नीं है कै थे म्हारै पेटै कोई गुनौ कर्‌यौ है। 13थे
तौ जाणौ इज हौ कै म्हारी डीलगत व्याधि रै कारण
म्हैं पैली बार थांनै इज सुभसंदेस सुणायौ हौ। 14अर
थे ई जद थांरी पारखा करीजी ही तद म्हारी मांदगी
रै उपरान्त ई थे म्हनै ओछौ नीं समझ्यौ अर ना ई म्हनै
कोई ओड़ौ दियौ। बल्कै थे तौ परमेसर रै सुरगदूत
रै रूप में म्हारौ सुआगत कर्‌यौ। जाणै थांरी निजरां में
म्हैं खुद मसीह यीशु इज हौ। 15इण वास्तै थांरै उण
हरख रौ कांई होयौ? म्हैं थांरै वास्तै खुद इण बात रौ
साखीधर हूं कै जे थे देवण में समरथ होवता तौ थांरी

आंख्यां तकात काढ'र म्हनै देय देवता। 16तौ कांई साच बोलण रै कारण म्हैं थांरौ बैरी होयग्यौ?

17थांने वैवस्था रै विधान माथै चलावण री चावना राखणियां थांरै मांय गैरी रुचि लेवै। पण वांरौ धेय आछौ नीं है। वै थांने म्हासूं अलग करणा चावै। ताकि थे ई वांरै मांय रुचि लेय सकौ। 18कोई किणी में हमेस गैरी रुचि लेवतौ रैवै, आ तौ बात आछी है पण आ बात किणी आछै काम सारू होवणी चाईजै। अर खाली उण बगत इज नीं, जदकै म्हैं थांरै सागै हूं। 19म्हारा व्हाला टाबरां! म्हैं थारै सारू अेकर फेरूं जापायती वाळी पीड़ झेल रैयौ हूं, जद तांई कै थे मसीह जैड़ा नीं व्है जावौ। 20म्हैं चाऊं हूं कै अबार थांरै कनै आय पूगूं अर थांरै सागै नेठाव सूं निरवाळी बातां करूं, क्यूंकै म्हनै दियाग नीं लागै कै थांरै सारू कांई करणौ रैयौ।

सारा अर हाजरा रौ दाखलौ

21वैवस्था रै विधान रै आधीन रैवणौ चावणियां सूं म्हैं पूछणौ चाऊं हूं: कांई थे वैवस्था रै विधान रौ औ कैवणौ नीं सुण्यौ। 22कै इब्राहीम रै दो बेटा हा। अेक रौ जलम अेक दासी सूं होयौ अर दूजै रौ अेक सुतंतर लुगाई सूं। 23दास सूं जलम्योड़ौ बेटौ परकत री परिस्थितियां में जलम्यौ हौ पण सुतंतर लुगाई सूं जकौ जलम्यौ, वौ परमेसर रै करयोड़ी प्रतिग्या रौ फळ हौ।

24आं बातां रौ प्रतीकात्मक अरथ है: अै दो लुगायां, दो वाचां री बानगी है। अेक वाचौ सिनै परबत सूं हासल हुयौ हौ जकौ वां लोगां नै जलम दियौ जका गुलामी सारू हा। औ वाचौ हाजरा सूं संबंधित है। 25हाजरा अरब मांय आयोड़ै सिनै परबत री प्रतीक है, वा अबार यरूशलेम कांनी संकेत करै है क्यूंकै वां आपरै टाबरां सागै गुलामी भुगत रैयी है। 26पण सुरग में ठावौ यरूशलेम आजाद है। अर वा इज म्हांरी माता है। 27शास्त्र कैवै :

"बांझ! हरख मनाव,
थूं किणी नै नीं जाम्यौ;
हरखनाद कर, थनै जापै री पीड़ नीं हुयी,
अर हंसी-खुसी में मुळक
क्यूंकै छिटकायोड़ी री अणगिण
औलादां है, उणरी बित्ती कोनी जित्ती
पतिवरता री है।" *यशायाह 54:1*

28इण वास्तै भायां, अबै थे इसहाक रै जैड़ी परमेसर रै वचन री संतान हौ। 29पण जियां उण बगत परकत री परिस्थितियां रै आधीन जलम्योड़ौ, आतमा री सगती सूं जलम्योड़ै नै अदावै, वैड़ी ई गत आज है। 30पण देखौ, पवित्र शास्त्र कांई कैवै है? "इण दासी अर इणरै बेटै नै बारै काढ नांखौ, क्यूंकै औ दासीपूत तौ सुतंतर लुगाई रै बेटै सागै उत्तराधिकारी नीं होवैला।" [a] 31इण वास्तै हे भायां, आपां उण दासी री संतान नीं हां, बल्कै म्हे तौ सुतंतर लुगाई री संतानां हां।

सुतंतर बण्या रैवौ

5 1मसीह आपां नै सुतंतर कर्‌या है, ताकि आपां सुतंतरता रौ आणंद लेय सकां। इण वास्तै खुद रै भरोसै नै पक्कौ राखौ अर पाछौ वैवस्था रै विधान रै झंवड़ै रौ बोझ मत उठावौ। 2सुणौ! खुद म्हैं, पौलुस थांसूं कैय रैयौ हूं कै जे खतनौ करा'र थे पाछा वैवस्था रै विधान कांनी बावड़ौ हौ तौ थांरै सारू मसीह रौ कोई महत्त्व नीं रैवैला। 3खुद रौ खतनौ करावणियै हरेक आदमी नै म्हैं अेकर फेरूं चेताऊं हूं कै सगळी वैवस्था रै विधान माथै चालणौ जरूरी है। 4थां मांय सूं जित्ता ई लोग वैवस्था री पाळणा रै कारण धरमी रै रूप में थरपीजणा चावै है, वै सगळा मसीह सूं किनारौ कर लियौ है अर परमेसर री किरपा रै खेत्र सूं बारै है। 5पण आपां आपणै भरोसै रै बूतै परमेसर रै सांम्ही धरमी स्वीकारीजण री आस राखां हां। आतमा री सहायता सूं आपां इणरी उडीक राखां हां। 6क्यूंकै मसीह यीशु में आस्था सारू ना तौ खतनौ करावण रौ कोई महत्त्व है अर ना खतनौ नीं करावण रौ। उण मांय तौ प्रेम सूं उपजण वाळै भरोसै रौ इज महत्त्व है।

7थे तौ आछी तरै अेक मसीह रौ जीवण जीवता रैया हौ। अबै थांरै अैड़ौ कांई होयग्यौ जकौ थांनै साच रै मारग चालण सूं रोकै। 8अैड़ी कुबध जकी थांनै साच सूं भटकावै, थांनै बुलावणिया परमेसर कांनी सूं नीं आयी है। 9"थोड़ौ'क खमीर गुंध्योड़ै सगळै आटै नै खमीर सूं उठा लेवै।" 10प्रभु रै पेटै म्हारौ पूरौ भरोसौ है कै थे किणी दूजै मत नै धारण नीं करोला, पण थांनै भरमावणियौ चायै कोई हुवै, उणनै दंड अवस मिळसी।

11हे भायां, जे म्हैं आज ई, जियां कै कीं लोग म्हारै माथै आळ लगावै कै म्हैं खतनै रौ प्रचार करूं हूं तौ

[a] ***4:30*** उद्धरण उत्पत्ति 21:10

म्हनै अजै तांई जातनावां क्यूं दिरीज रैयी है? अर जे म्हैं अबार ई खतनै री जरूरत रौ प्रचार करूं हूं, तौ फेर तौ मसीह रै क्रूस रै कारण उपज्योड़ी म्हारी सगळी बाधावां मिट जावणी चाईजती। 12म्हैं तौ फगत आ चाऊं हूं कै जका लोग थांनै डिगावणा चावै, वै खतनौ करावण रै सागै-सागै आपरौ बधिया ई कराय नांखता।

13पण भायां, थांनै परमेसर सुतंतर रैवण सारू टाळ्या है। पण उण सुतंतरता नै मत्तैई समूळै सुभाव री पूरती वाळौ साधन मत बणण दौ, बल्कै प्रेम रै कारण आपसरी मांय अेक-दूजै री सेवा करौ। 14क्यूंकै सगळै वैवस्था रै विधान रौ सार-संग्रै इण अेक कथाणै में इज है: "आपरै साथी-सायनां सूं बियां इज प्रेम करौ, जियां थे अपणै आपसूं करौ हौ।"[a] 15पण आपस में कटवीं करता थकां जे थे अेक-दूजै नै खावता-खोसता रैवौला तौ देख्या! थे आपसरी में अेक-दूजै रौ इज खातमौ कर नांखोला।

मिनख री परकत अर आतमा

16पण म्हैं कैऊं हूं कै आतमा री आंकस मुजब आचरण करौ अर खुद री पापवाळी परकत री इंछावां री पूरती मतना करौ। 17क्यूंकै डीलगत भौतिक इंछावां पवित्र आतमा री इंछावां अर पवित्र आतमा री इंछावां डीलगत भौतिक इंछावां सूं उलट हुया करै। आंरौ आपसरी मांय विरोध है। इण वास्तै इज तौ थे जकौ करणौ चावौ, वौ कर नीं सकौ। 18पण जे थे पवित्र आतमा री आंकस में चालौ हौ तौ फेर वैवस्था रै विधान रै आधीन नीं रैवोला।

19अबै देखौ! आपां रै सरीर री पापवाळी परकत रा कामां नै तौ सगळा जाणै है। अै है: व्यभिचार, सूगलवाड़ौ, भोगविलास, 20मूरती-पूजा, टूणा-टोटका, बैर-भाव, लड़ाई-टंटौ, दोख, किरोध, स्वारथ, मतभेद, आपसरी में फूट, ईरखा, 21नसौ, लंपटपणौ या अैड़ी'ज दूजी बातां। अबै म्हैं थांनै आं बातां बाबत बियां ई चेताऊं हूं जियां म्हैं थांनै पैलां ई सावचेत करया हा कै जका लोग अैड़ी बातां में रस लेवैला, वै परमेसर रै राज रौ पाट नीं पावैला। 22जदकै पवित्र आतमा, प्रेम, हरख, सांति, धीरप, रहम, नेकी, विस्वास, 23कंवळापणौ अर आतम-संजम उपजावै। अैड़ी बातां रै विरोध में वैवस्था रौ कोई विधान कोनी। 24वै लोग जका यीशु मसीह रा है, आपरै पापी मिनख-सुभाव नै वासनावां अर इंछावां समेत क्रूस माथै चाढ दियौ है। 25क्यूंकै जद आपां रै इण नूंवै जीवण रौ स्रोत ई आतमा है तौ आवौ, आतमा री इंछा मुजब ई चालां। 26आपां नै अभिमान नीं करणौ। अेक-दूजै नै नीं चिड़ावणौ अर ना ई आपसरी में ईरखा करणी।

अेक-दूजै रौ सैयोग करौ

6 1हे भायां, थां मांय सूं जे कोई मिनख पाप करतां पकड़ीजै तौ थां आध्यात्मिक लोगां नै चाईजै कै स्याणप सूं उणनै धरम रै मारग पाछौ लावण रौ काम करौ। अर खुद रै सारू ई इण बात री सावचेती राखौ कै थे ई किणी परीक्षा में नीं पड़ जावौ। 2आपसरी में अेक-दूजै रै आडा आवौ। इण भांत थे मसीह री वैवस्था री पाळणा कर सकोला। 3जे कोई मिनख कीं नीं होवता थकां ई खुद नै महताऊ मानै तौ समझौ वौ खुद नै इज धोखौ देवै। 4आपरै करमां रौ लेखौ हरेक आदमी नै खुद नै करतौ रैवणौ चाईजै। इयां करयां सूं इज उणनै खुद माथै बिना किणी दूजै सूं तुलना करयां गुमेज करण रौ मौकौ मिळैला। 5क्यूंकै आपरौ बोझ हरेक नै खुद नै ई उठावणौ है।

जीवण खेत बावण जिसौ है

6जिणनै परमेसर रौ वचन सुणाईज्यौ है, उणनै चाईजै कै जकी आछी चीजां उणरै कनै है, वां मांय आपरै उपदेसक नै सीरी बणावै।

7खुदौखुद नै मत छळौ। परमेसर नै कोई धुरू नीं बणाय सकै, क्यूंकै जकौ जैड़ौ बावैला, वौ वैड़ौ इज काटैला। 8जकौ आपरी काया सारू बावैला, वौ आपरी काया सूं विणास री फसल काटैला। पण जकौ आतमा रै खेत में बीज बावैला, वौ आतमा रै मारफत अणंत जीवण री फसल काटैला। 9इण वास्तै आवौ, आपां भलाई रै काम में कदैई पाछ नीं राखां, क्यूंकै जे आपां भलाई करता रैवांला तौ बगत रै परवांण आपां नै उणरौ फळ अवस मिळैला। 10इण वास्तै जठै-कठैई मौकौ मिळै, आपां नै हरेक सागै भलाई करणी चाईजै, खास कर'र आपां रै धरम-भायां सागै।

कागद रौ निवेड़ौ

11देखौ, म्हैं थांनै खुद रै हाथां सूं कित्ता बडा-बडा आखरां में लिख्यौ है। 12अैड़ा लोग जका सरीर सूं

[a] **5:14** उद्धरण लैव्य व्यवस्था 19:18

आछौ दिखावौ करणौ चावै, वै थांरै माथै खतनौ करावण सारू जोर देवै। पण वै अैड़ौ फगत इण वास्तै कर रैया है कै वांनै मसीह रै क्रूस रै कारण जातनावां नीं झेलणी पड़ै। **13**क्यूंकै वै खुद ई जिणां रौ खतनौ व्है चुक्यौ है, वैवस्था रै विधान री पाळणा नीं करै, पण फेरूं ई वै चावै कै थे खतनौ करावौ ताकि वै थांरै मारफत इण डीलगत प्रथा नै अपणावण सारू फाळ सांध सकै।

14पण जिणरै मारफत म्हैं संसार सारू अर संसार म्हारै सारू मरग्यौ, प्रभु यीशु मसीह रै उण क्रूस रै टाळ म्हनै किणी माथै गुमेज नीं होवै। **15**क्यूंकै ना तौ खतनै रौ कीं बट्टै अर ना बिना खतनै रौ ई। जे सार री बात है तौ वा है नूंवी स्रिस्टी। **16**इण वास्तै जका लोग इण धरम-नेम माथै चालसी वां माथै अर परमेसर रै इस्राअेल माथै सांति अर किरपा होवती रैवै।

17कागद नै पूरौ करता थकां म्हैं थांसूं अरज करूं हूं कै अबै म्हनै कोई दुख मत देवौ। क्यूंकै म्हैं तौ पैलां ई म्हारी देही में यीशु रै घावां नै लियां घूमतौ फिरूं हूं।

18हे भायां, म्हांरै प्रभु यीशु मसीह री किरपा थांरी आतमावां माथै बणी रैवै। आमीन!